कैसे हम परमेश्वर की आवाज़ सुनें, और उससे प्रकाशन या संदेश
प्राप्त करें

मैं आपको हमारे प्रभु यीशु मसीह के महान नाम में शुभकामनाएँ देता हूँ। आइए हम जीवन के उन वचनों पर मनन करें, जो अकेले हमें इस संसार में सच्ची स्वतंत्रता दे सकते हैं।

“और तुम सत्य को जानोगे और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।” (यूहन्ना 8:32)

आज हम एक ऐसा बाइबल आधारित सिद्धांत सीखेंगे, जो हमें यह समझने में मदद करेगा कि हम परमेश्वर से कैसे संदेश, प्रकाशन, या सही ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। इस सिद्धांत ने मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत मदद की है, और मैं विश्वास करता हूँ कि यह आपको भी आशीष देगा।

मनुष्य का परमेश्वर से बात करना और परमेश्वर का मनुष्य से बात करना — दोनों में अंतर है।

जब हम परमेश्वर से बात करना चाहते हैं, तो हम प्रार्थना में उसके सामने जाते हैं, घुटनों पर झुकते हैं, अपनी ज़रूरतें उसके सामने रखते हैं, और फिर उठकर अपने दैनिक कार्यों में लग जाते हैं।

[illegible]

[illegible]

[illegible] — “[illegible]” (STILLNESS)

[illegible]

✦ [illegible]:

[illegible] — [illegible]

> “[illegible]; [illegible], [illegible]

> □□□□, □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□, □□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□”
> (1 □□□□ 19:12–13)

✦ □□□□□ □□ □□□□□□:

□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□, □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ — □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□

> “□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□□” □□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□, □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□”
> (2 □□□□ 3:15)

□□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□

✦ □□□□ □□ □□□□□□:

□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□, □□ □□□□ □□□

कैसे हम परमेश्वर की आवाज़ सुनें, और उससे प्रकाशन या संदेश
प्राप्त करें

तुरंत ऊपर नहीं बुलाया। मूसा को पहले छह दिन तक पर्वत के नीचे ठहरना पड़ा, और सातवें दिन परमेश्वर ने उसे बुलाया।

“और यहोवा की महिमा सीनै पर्वत पर ठहरी रही, और वह बादल छह
दिन तक पर्वत को ढांके रहा; और सातवें दिन उसने मूसा को बादल
के बीच से पुकारा।”
(निर्गमन 24:16)

इन सभी उदाहरणों से एक ही बात स्पष्ट होती है:

यदि हम परमेश्वर की आवाज़ सुनना चाहते हैं, तो हमें शांत रहना होगा — अपने मन और आत्मा में।

जब तुम प्रार्थना करने जाओ, तो सिर्फ बोल कर मत उठो।
आराधना गीत गाओ, उसकी महानता पर मनन करो, वचन पढ़ो, और तब फिर से प्रार्थना करो।
जैसे-जैसे तुम अधिक समय परमेश्वर की उपस्थिति में बिताओगे, वैसे-वैसे तुम उसे स्थान दोगे कि वह तुमसे बात कर सके।

तभी अचानक तुम पाओगे कि परमेश्वर की आत्मा तुम पर उतरती है, और तुम एक प्रकाशन, एक विचार, या एक समाधान प्राप्त करते हो — जो

कैसे हम परमेश्वर की आवाज़ सुनें, और उससे प्रकाशन या संदेश
प्राप्त करें

तुम्हारे अपने मन से नहीं आया। यह परमेश्वर का उत्तर होता है।

लेकिन यह सब एक क्षण में नहीं होता — इसके लिए समय चाहिए। कभी- कभी कुछ मिनट, और कभी-कभी कई घंटे।

हाँ, कभी-कभी हम जल्दी में होते हैं और परमेश्वर सुनता है, लेकिन कई बार हमें उसके लिए समय अलग से निकालना पड़ता है।

अपने जीवन में भी शांति को स्थान दो

यदि तुम्हारा जीवन हर समय सोशल मीडिया, चैट, टीवी, फिल्में, शोरगुल, पार्टियाँ, संगीत, और व्याकुलता से भरा है — तो परमेश्वर की आवाज़ सुनना कठिन हो जाएगा।

चाहे तुम कितना भी प्रार्थना करो — तुम्हें उत्तर नहीं मिलेगा, क्योंकि तुम भीतर से शांत नहीं हो।

अपने जीवन को शांत बनाओ।
आराधना गीत सुनो, बाइबल पढ़ो, आध्यात्मिक मित्र बनाओ,

कैसे हम परमेश्वर की आवाज़ सुनें, और उससे प्रकाशन या संदेश
प्राप्त करें

छुट्टियों में प्रभु के लिए समय निकालो।

यीशु के विषय में बातें करो — जैसे एम्माउस के दो चेलों ने की, और तब यीशु उनके बीच आकर चलने लगा:

“जब वे आपस में बातें कर ही रहे थे, तो यीशु आप ही उनके पास
आकर उनके साथ चलने लगा।”
(लूका 24:15)

यदि तुम इन बातों को ध्यान में रखोगे, तो निश्चय ही परमेश्वर की आवाज़ सुनोगे — और उससे कई बार प्रकाशन भी पाओगे।

हम सभी चाहते हैं कि परमेश्वर हमसे बातें करे। लेकिन कई बार हम सोचते हैं कि वह बहुत दूर है, या केवल बड़े पासवानों और नबियों से ही बात करता है।

यह सोच गलत है।
परमेश्वर किसी भी व्यक्ति से बात कर सकता है — वह तुम्हारे उपहार या सेवा के अनुसार नहीं, बल्कि अपने मार्ग से बोलता है।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] — [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] — [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

> “[illegible] [illegible]; [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]; [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]; [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]; [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]”
> (1 [illegible] 19:11-12)

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP....

[illegible]

Share on:
WhatsApp